मिल्लत मह्था आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

दिनांक 21/09/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (पहिल भाग)

प्रश्न :- आरसी प्रसाद सिंहक काव्यक परिचय दिअ।

उत्तर :- गीतकार आरसी प्रसाद सिंहक जन्म समस्तीपुर जिलान्तर्गत एरौत गाममे 19 अगस्त, 1911 ई० मे भेल अछि। हिन्दी एवं मैथिली दुई भाषामे रचना कय ई एक दिस मातृभाषाकेँ आ दोसर दिस राष्ट्रभाषाकेँ समृद्ध करबामे प्रयत्नशील छलाह। कोशी कॉलेज खगड़ियामे किछु दिन धरि हिन्दी विभागक प्राध्यापक रहि ई आकाशवाणी लखनऊमे काज कयलनि।

मैथिलीमे काव्य-रचनाक प्रेरणा हिनका स्व० भुवन-जीसँ भेटलनि। हिनक रचनाक मुख्य-मुख्य गुण सरल, कोमल एवं मोदक शब्द-विन्यास अछि। 'माटिक दीप' हिनक प्रथम प्रकाशित कविता संग्रह अछि जाहिमे भावनाक रेमी ओ अक्षय स्नेह भरि ई ओकरा प्रज्वलित कयने छथि। हिनक दोसर पोथी पूजाक-फूल अत्यधिक लोकप्रिय भेल अछि। एहिमे वादक कृत्रिम भावनाक प्रवाहमे नहि बहि ओ कोमल कान्त भावनाक सरस अभिव्यक्ति कयलनि अछि।

ओ नव आ पुरान सब शिल्पकेँ स्वीकार कय प्राचीन आ नवीन विषय पर रचना करैत छथि। स्वभावतः कवि नीक गीतकार एवं प्रकृति-प्रेमी छथि। हिनक पहिल

21/9/2020